



चम्पारण ज्ञानाग्रह



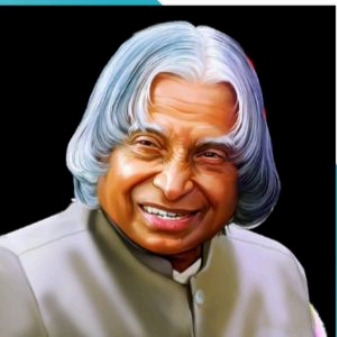
प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक- 30 अक्टूबर 2026, अंक -389.

प्रस्तुति:- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."



"तपस्या केवल शरीर को कष्ट देना नहीं, बल्कि
मन को नियंत्रित करना है।"



विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक
उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार

www.teachersofbihar.org





Friday Prayer

लब पे आती है दुआ बनके तमन्ना मेरी,
जिंदगी शम्मे की सूरत हो खुदाया मेरी।

हो मेरे दम से यूँ ही मेरे बदन की ज़ीनत,
जिस तरह फूल से होती है चमन की ज़ीनत।

जिंदगी हो मेरी परवान की सूरत या रब,
इल्म की शम्मा से हो मुझको मोहब्बत या रब।

हो मेरा काम गरीबों की हिमायत करना,
दर्दमंदों से जड़फों से मोहब्बत करना।

मेरे अल्लाह बुराई से बचना मुझको,
नेक जो राह हो उस रह पे चलाना मुझको।

-मोहम्मद आलम इक़बाल

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करुणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू ही अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरुगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्।
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्।
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्।
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारङ्ग प्रतिमा गङ्गि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्।
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्।
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्।

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे॥

संकलन:-

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।



संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14-18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19-22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23-24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25-28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29-30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) - मौलिक कर्तव्य:

भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह -

- (1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
- (2.) स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
- (3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
- (4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
- (5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
- (6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
- (7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
- (8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
- (9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
- (10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
- (11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।



सामान्य-ज्ञान



प्रश्न 1. सेनेगल की राजधानी क्या है?

उत्तर: डकार

प्रश्न 2. भारत में हरित क्रांति के जनक के रूप में किसे जाना जाता है?

उत्तर: एम. एस. स्वामीनाथन

प्रश्न 3. 'चेराव' किस राज्य का प्रसिद्ध बाँस नृत्य है?

उत्तर: मिजोरम

प्रश्न 4. 12 और 16 का ल.स. क्या होगा ?

उत्तर: 48

प्रश्न 5. बिहार के सीतामढ़ी जिले में स्थित पुनौरा धाम किस देवी की जन्मस्थली के रूप में प्रसिद्ध है?

उत्तर: माता सीता

प्रश्न 6. कौन-सा पक्षी अपने बड़े, रंगीन चोंच के लिए प्रसिद्ध है और मुख्यतः फल खाता है?

उत्तर: हॉर्नबिल

प्रश्न 7. भूकंप की तरंगों को दर्ज करने वाले यंत्र को क्या कहते हैं?

उत्तर: सीस्मोग्राफ

प्रश्न 8. भारतीय संविधान का कौन-सा अनुच्छेद कहता है कि कानून के अधिकार के बिना कोई कर नहीं लगाया या वसूला जा सकता?

उत्तर: अनुच्छेद 265

प्रश्न 9. 'जो अपने देश से प्रेम करता हो' – उसके लिए एक शब्द क्या है?

उत्तर: देशभक्त

प्रश्न 10. गीले कपड़े को धूप और हवा में फैलाकर रखने से वह जल्दी क्यों सूखता है?

उत्तर: वाष्पीकरण तेज होता है

संकलन:-



पिन्टू कुमार

विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

- 1 Fossil - फॉसिल - जीवाश्म
- 2 Specimen - स्पेसिमेन - नमूना
- 3 Mineral - मिनरल - खनिज
- 4 Crystal - क्रिस्टल - स्फटिक
- 5 Sediment - सेडिमेंट - तलछट
- 6 Stratum - स्ट्रेटम - भूस्तर
- 7 Geology - जियोलॉजी - भूविज्ञान



संकलन:-

सौरभ कुमार

विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

आज का Structure: "How much + uncountable noun + is he/she going to + V1?"

(वह कितना/कितनी ... करने वाला/वाली है?)

वह कितना पानी पीने वाला है? – How much water is he going to drink?

वह कितना दूध खरीदने वाली है? – How much milk is she going to buy?

वह कितना पैसा खर्च करने वाला है? – How much money is he going to spend?

वह कितनी चीनी चाय में डालने वाली है? – How much sugar is she going to add to the tea?

वह कितना चावल पकाने वाला है? – How much rice is he going to cook?



संकलन:-

अभिनव राज

प्रधान शिक्षक
रा० प्रा० वि० शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण

प्र.1. प्रतिवर्ष 30 अक्टूबर को बचत की आदत को प्रोत्साहित करने और भविष्य की वित्तीय सुरक्षा को सुदृढ़ बनाने हेतु अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कौन-सा दिवस मनाया जाता है? (महत्वपूर्ण दिवस)

उत्तर: विश्व बचत दिवस (World Thrift Day / World Savings Day)

व्याख्या: 30 अक्टूबर (वैश्विक स्तर पर 31 अक्टूबर, भारत में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के बलिदान दिवस के कारण एक दिन पूर्व 30 अक्टूबर) को 'विश्व बचत दिवस' मनाया जाता है। इसकी शुरुआत 1924 में इटली के मिलान शहर में आयोजित प्रथम अंतरराष्ट्रीय बचत बैंक कांग्रेस में की गई थी। इसका मुख्य उद्देश्य नागरिकों, विशेषकर विद्यार्थियों और ग्रामीण परिवारों में नियमित बचत की आदत को विकसित करना, औपचारिक बैंकिंग तंत्र से जोड़ना और वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देना है। भारत में 'प्रधानमंत्री जन धन योजना' और 'डाकघर आवर्ती जमा' योजनाएं इसी वित्तीय समावेशन के लक्ष्य को साकार करती हैं।

संदर्भ: World Savings and Retail Banking Institute (WSBI);

प्र.2. अक्टूबर 2026 में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) द्वारा सूर्य के वायुमंडल और सौर तूफानों के निरंतर अध्ययन हेतु किस स्वदेशी अंतरिक्ष वेधशाला के विस्तृत डेटा विश्लेषण चरण का सफल संचालन जारी रखा गया? (समसामयिक घटना)

उत्तर: आदित्य-L1 मिशन (Aditya-L1)

व्याख्या: अक्टूबर 2026 में इसरो की पहली सौर अंतरिक्ष वेधशाला 'आदित्य-L1' ने पृथ्वी से 15 लाख किलोमीटर दूर स्थित लैंग्रेजियन बिंदु-1 (L1) के हेलो ऑर्बिट (Halo Orbit) में अपने संचालन और वैज्ञानिक डेटा प्रेषण के महत्वपूर्ण मील के पत्थर पूरे किए। इस उपग्रह पर स्थापित उपकरण — विशेष रूप से 'विजिबल एमिशन लाइन कोरोनाग्राफ' (VELC) और 'सोलर अल्ट्रावायलेट इमेजिंग टेलीस्कोप' (SUIT) — लगातार सौर ज्वालाओं (Solar Flares), कोरोनल मास इजेक्शन (CME) और पृथ्वी के भू-चुंबकीय क्षेत्र पर पड़ने वाले प्रभावों का वास्तविक समय में अध्ययन कर रहे हैं। यह अंतरिक्ष आधारित मौसम भविष्यवाणी और संचार उपग्रहों की सुरक्षा में एक निर्णायक तकनीकी उपलब्धि है।

संदर्भ: ISRO Official Mission Updates October 2026;

प्र.3. 'मैला आंचल' (1954) के रचनाकार फणीश्वर नाथ 'रेणु' द्वारा बिहार के पूर्णिया (मेरीगंज) की पृष्ठभूमि पर रचित इस अमर कृति को हिंदी साहित्य में किस विधा का प्रथम व सर्वश्रेष्ठ उपन्यास माना जाता है? (पुस्तक एवं लेखक)

उत्तर: प्रथम आंचलिक उपन्यास (Regional Novel)

व्याख्या: 'मैला आंचल' (1954) फणीश्वर नाथ 'रेणु' द्वारा रचित हिंदी का प्रथम और सबसे सशक्त आंचलिक उपन्यास है। यह उपन्यास बिहार के सीमांचल क्षेत्र (पूर्णिया जिले के काल्पनिक गाँव 'मेरीगंज') के सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक यथार्थ का समग्र जीवंत दस्तावेज है। रेणु जी ने इसमें डॉ. प्रशांत और कमली के मानवीय संबंधों के साथ-साथ स्वतंत्रता के तुरंत बाद ग्रामीण भारत में पनप रहे दलगत स्वार्थ, अंधविश्वास, भूमिहीन किसानों की बेबसी, लोकगीतों, मुहावरों और मिथिला-अंगिका संस्कृति की मिट्टी की सौंधी खुशबू को बिना किसी कृत्रिमता के चित्रित किया है।

संदर्भ: फणीश्वर नाथ 'रेणु' — 'मैला आंचल', राजकमल प्रकाशन; NCERT Hindi Class 12 (अंतरा भाग-2 साहित्य संदर्भ);

प्र.4. अत्यधिक उर्वरकों और कीटनाशकों के उपयोग से किसी रसायन की सांद्रता का खाद्य श्रृंखला के उत्तरोत्तर पोषण स्तरों में क्रमशः बढ़ते चले जाने की परिघटना को पर्यावरण विज्ञान में क्या कहा जाता है? (पर्यावरण/ग्लोबल वॉर्मिंग)

उत्तर: जैव-आवर्धन (बायोमैग्निफिकेशन / Biomagnification)

व्याख्या: जब डीडीटी (DDT), मरकरी (पारा) या आर्सेनिक जैसे अजैव-निम्नीकरणीय (Non-biodegradable) विषैले रसायन किसी जलीय या स्थलीय पारितंत्र में प्रवेश करते हैं, तो वे जीवों के शरीर द्वारा उपापचयित या उत्सर्जित नहीं हो पाते। फलस्वरूप, खाद्य श्रृंखला में प्रत्येक अगले पोषण स्तर पर इन रसायनों की सांद्रता कई गुना बढ़ जाती है; इस प्रक्रिया को 'जैव-आवर्धन' (Biomagnification) कहते हैं। उदाहरण के लिए, जल में डीडीटी की सांद्रता यदि 0.003 भाग प्रति अरब (ppb) हो, तो यह क्रमिक रूप से बढ़ते हुए शीर्ष मांसाहारी पक्षियों में 25 भाग प्रति दस लाख (ppm) तक पहुँच जाती है, जिससे पक्षियों के अंडों के कवच पतले हो जाते हैं और वे समय से पूर्व फूटकर उनकी आबादी नष्ट कर देते हैं।

संदर्भ: NCERT Biology Class 12, Ch 16 "पर्यावरण के मुद्दे", p. 276–278;

प्र.5. 1899-1900 में छोटानागपुर क्षेत्र में 'उलगुलान' (महान हलचल) नामक ऐतिहासिक जनजातीय विद्रोह का नेतृत्व करते हुए 'धरती आबा' के रूप में पूजे जाने वाले अमर जननायक कौन थे? (इतिहास)

उत्तर: भगवान बिरसा मुंडा

व्याख्या: बिरसा मुंडा (1875–1900) छोटानागपुर के महान जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी और समाज सुधारक थे, जिन्हें स्थानीय लोग 'धरती आबा' (जगत पिता) कहते थे। उन्होंने ब्रिटिश हुकूमत की शोषणकारी 'खुंटकट्टी' (सामूहिक भूमि व्यवस्था) विरोधी नीतियों, साहूकारों और मिशनरियों के अत्याचार के विरुद्ध 1899 में 'उलगुलान' (महान विद्रोह) का शंखनाद किया। उन्होंने तीर-कमानों के दम पर ब्रिटिश सेना को कई बार पीछे हटने पर विवश किया और "अबुआ राज एते जाना, महारानी राज तुंदु जाना" (महारानी का राज समाप्त हो, हमारा राज शुरू हो) का नारा दिया। जून 1900 में रांची जेल में उनकी शहादत हुई। उनके आंदोलन के प्रभाव से 1908 में ऐतिहासिक 'छोटा नागपुर काश्तकारी अधिनियम' (CNT Act) पारित हुआ जिसने आदिवासियों की जमीन की गैर-आदिवासियों को बिक्री पर रोक लगाई।

संदर्भ: NCERT History Class 8 (अन्तर्गत अध्याय 2), Class 12 (ऐतिहासिक चिन्तन और सामाजिक परिवर्तन)।

प्र.6. मध्य प्रदेश के अमरकंटक पठार से निकलकर विंध्याचल और सतपुड़ा पर्वत श्रेणियों के बीच 'भ्रंश घाटी' (Rift Valley) से बहती हुई अरब सागर में गिरने वाली भारत की प्रमुख पश्चिम-वाहिनी नदी कौन-सी है? (भूगोल)
उत्तर: नर्मदा नदी (Narmada River)

व्याख्या: नर्मदा नदी प्रायद्वीपीय भारत की सबसे लंबी पश्चिम-वाहिनी नदी है, जिसकी कुल लंबाई 1,312 किलोमीटर है। इसका उद्गम मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले में मैकाल पर्वतमाला की 'अमरकंटक पहाड़ी' से होता है। यह नदी उत्तर में विंध्याचल और दक्षिण में सतपुड़ा पर्वत श्रृंखलाओं के मध्य एक विशाल दरार/भ्रंश घाटी (Rift Valley) से होकर बहती है। जबलपुर के निकट भेड़ाघाट में यह संगमरमर की चट्टानों के बीच भव्य 'धुआंधार जलप्रपात' का निर्माण करती है। नवा, शक्कर, दूधी और हिरन इसकी प्रमुख सहायक नदियां हैं। गुजरात के भरूच के पास यह एश्वर्या (ज्वारनदमुख) बनाते हुए खंभात की खाड़ी (अरब सागर) में विलीन हो जाती है। इस पर प्रसिद्ध 'सरदार सरोवर बांध' और 'इंदिरा सागर बांध' निर्मित हैं।

संदर्भ: NCERT Geography Class 9 (समकालीन भारत-1), Ch 3 "अपवाह", p. 21-23;

प्र.7. भारतीय संविधान का कौन-सा अनुच्छेद भारतीय नागरिकों को 'संवैधानिक उपचारों का अधिकार' प्रदान करता है, जिसे डॉ. भीमराव अंबेडकर ने 'संविधान का हृदय और आत्मा' कहा था? (राजनीति एवं संविधान)

उत्तर: अनुच्छेद 32 (संवैधानिक उपचारों का अधिकार)

व्याख्या: भारतीय संविधान के भाग-III में प्रदत्त 'अनुच्छेद 32' नागरिकों के मूल अधिकारों का वास्तविक रक्षक है। इसके अंतर्गत जब किसी नागरिक के मौलिक अधिकारों का हनन होता है, तो वह सीधे भारत के सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दायर कर सकता है। अनुच्छेद 32(2) के तहत सर्वोच्च न्यायालय 5 प्रकार की विशिष्ट रिट (Writs) जारी करने की शक्ति रखता है: (1) बंदी प्रत्यक्षीकरण (Habeas Corpus), (2) परमादेश (Mandamus), (3) प्रतिषेध (Prohibition), (4) उत्प्रेषण (Certiorari), और (5) अधिकार-पृच्छा (Quo-Warranto)। संविधान सभा में बहस के दौरान डॉ. बी. आर. अंबेडकर ने स्पष्ट कहा था कि "यदि मुझसे कोई पूछे कि संविधान का वह कौन-सा अनुच्छेद है जिसके बिना यह संविधान शून्य हो जाएगा, तो मैं इस अनुच्छेद 32 के सिवाय किसी दूसरे अनुच्छेद की ओर इशारा नहीं करूंगा।"

संदर्भ: Constitution of India, Part III, Article 32; NCERT Political Science Class 11 (भारत का सावधान: सिद्धांत और व्यवहार), Ch 2 "भारतीय संविधान में अधिकार", p. 40-44;

प्र.8. किसी विद्युत परिपथ में 220 वोल्ट के स्रोत से जुड़े एक विद्युत हीटर में यदि 5 एम्पीयर की विद्युत धारा प्रवाहित हो रही हो, तो उस हीटर की विद्युत शक्ति (Electric Power) कितने वाट होगी? (विज्ञान)

उत्तर: 1,100 वाट (1.1 किलोवाट)

व्याख्या: विद्युत शक्ति (P) किसी विद्युत परिपथ में विद्युत ऊर्जा के उपभोग की दर होती है।

विद्युत शक्ति, विभवांतर और विद्युत धारा के मध्य संबंध सूत्र:

$P = V \times I$ यहाँ दिया गया है: विभवांतर (V) = 220 वोल्ट (V), विद्युत धारा (I) = 5 एम्पीयर (A)

मान प्रतिस्थापित करने पर: $P = 220 \times 5$, $P = 1,100 \text{ वाट (W)}$

यदि इसे किलोवाट (kW) में बदलें:

$P = 1,100 / 1,000 = 1.1 \text{ किलोवाट (kW)}$

अतः उस विद्युत हीटर की शक्ति ठीक 1,100 वाट होगी।

संदर्भ: NCERT Science Class 10, Ch 12 "विद्युत" (Electric Power & Heating Effects), p. 238-242;

प्र.9. 7वीं शताब्दी में बिहार के नालंदा में सम्राट हर्षवर्द्धन और पाल राजाओं के संरक्षण में पल्लवित हुआ वह प्रसिद्ध महाविहार कौन-सा था, जहाँ तिब्बती, चीनी और कोरियाई विद्वान बौद्ध दर्शन का अध्ययन करने आते थे? (कला एवं संस्कृति)

उत्तर: प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय (नालंदा महाविहार)

व्याख्या: नालंदा महाविहार प्राचीन भारत में उच्च शिक्षा और बौद्ध दर्शन का विश्वविख्यात अंतरराष्ट्रीय आवासीय केंद्र था, जिसकी स्थापना 5वीं शताब्दी ईस्वी में गुप्त सम्राट कुमारगुप्त प्रथम 'महेन्द्रादित्य' ने की थी। बाद में सम्राट हर्षवर्द्धन और पाल राजवंश के सम्राटों (धर्मपाल, देवपाल) ने इसे सैकड़ों गौनों का राजस्व दान देकर समृद्ध किया। यहाँ प्रसिद्ध चीनी यात्री ह्वेनसांग (Xuanzang) और इत्सिंग ने वर्षों तक योगाचार, तर्कशास्त्र, व्याकरण, खगोलिकी और चिकित्सा का अध्ययन किया। उस समय यहाँ के कुलपति महान विद्वान शीलभद्र थे। यहाँ तीन विशाल बहुमंजिला पुस्तकालय भवन थे — रत्नसागर, रत्नोदधि और रत्नरंजक। 2016 में नालंदा के पुरातात्विक स्थल को यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया।

संदर्भ: NCERT History Class 6 (हमारे अतीत-1), Ch 9 "व्यापारी, राजा और तीर्थयात्री", p. 95-98;

प्र.10. 1917 के ऐतिहासिक चंपारण सत्याग्रह के दौरान मोतिहारी में गांधीजी की जान बचाने वाले बत्तख मियां अंसारी किस पद पर कार्यरत थे और उन्होंने किस अंग्रेज नीलहे के षड्यंत्र को विफल किया था? (बिहार सामान्य ज्ञान)

उत्तर: रसोइया (बत्तख मियां); अंग्रेज प्रबंधक इरविन के दूध में जहर मिलाने के षड्यंत्र को

व्याख्या: अप्रैल 1917 में जब महात्मा गांधी किसानों पर तिनकटिया प्रथा और नीलहों के अत्याचार की जांच करने चंपारण आए, तो स्थानीय ब्रिटिश कोठी प्रबंधक इरविन ने गांधीजी को रात्रिभोज पर आमंत्रित किया। इरविन ने गांधीजी की हत्या के उद्देश्य से अपने भारतीय रसोइये 'बत्तख मियां अंसारी' को दूध के गिलास में जहर मिलाकर गांधीजी को परोसने का हुक्म दिया और मना करने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। देशभक्त बत्तख मियां ने अपनी जान और परिवार की परवाह किए बिना गांधीजी के सामने दूध रखते समय डॉ. राजेंद्र प्रसाद और गांधीजी को सचेत कर दिया, जिससे दूध का परीक्षण करने पर बिल्ली की तुरंत मृत्यु हो गई और गांधीजी के प्राण बच गए। अंग्रेजों ने इसके बाद बत्तख मियां की संपत्ति जब्त कर ली और उन्हें जेल में डाल दिया। 1950 में राष्ट्रपति बनने पर डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने मोतिहारी में बत्तख मियां को सम्मानित कर जमीन आवंटित करने का निर्देश दिया था।

संदर्भ: Dr. Rajendra Prasad — 'Champaran Mein Mahatma Gandhi';



प्र.11. 'मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम' (BDMC कैलेंडर: अक्टूबर W4 – सड़क दुर्घटना में बचाव के संदर्भ में जानकारी) के अनुसार चारपहिया वाहन में यात्रा करते समय 'सीटबेल्ट' (Seat Belt) लगाना क्यों जीवन रक्षक है और राष्ट्रीय राजमार्गों पर सड़क दुर्घटना होने पर त्वरित पुलिस व एम्बुलेंस सहायता हेतु राष्ट्रीय आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर कौन-सा है? (विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम)

उत्तर: शरीर को आगे टकराने या बाहर फेंकने से रोकना; आपातकालीन नंबर: 112 (एम्बुलेंस: 108, राजमार्ग हेल्पलाइन: 1033)

व्याख्या: बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (BSDMA) के 'सुरक्षित शनिवार' कैलेंडर (अक्टूबर W4: सड़क दुर्घटना में बचाव के संदर्भ में जानकारी) और केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय (MoRTH) के सुरक्षा मानकों के अनुसार: (1) सीटबेल्ट की जीवन-रक्षक कार्यप्रणाली – न्यूटन के जड़त्व के प्रथम नियमानुसार, जब तीव्र गति से चल रहा चारपहिया वाहन अचानक रुकता है या टकराता है, तो अंदर बैठे यात्रियों का शरीर उसी तीव्र वेग से आगे की ओर गतिमान रहता है; थ्री-पॉइंट सीटबेल्ट (3-Point Seatbelt) छाती और कूल्हों को सीट से बांधे रखती है, जिससे यात्री स्टीयरिंग व्हील, डैशबोर्ड या विंडशील्ड से टकराने से बच जाते हैं और वाहन के दरवाजे खुलने पर बाहर सड़क पर नहीं फेंके जाते; विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार यह मृत्यु के जोखिम को 45 से 50% तक घटा देती है; (2) आपातकालीन कॉल प्रोटोकॉल – सड़क दुर्घटना होते ही बिना समय गंवाए एकीकृत आपातकालीन नंबर '112' या एम्बुलेंस हेतु '108' डायल करें; राष्ट्रीय राजमार्गों पर सहायता हेतु सम्पर्क टोल-फ्री नंबर '1033' पर संपर्क किया जा सकता है; कॉलर को दुर्घटना का सटीक स्थान (मील का पत्थर या नजदीकी लैंडमार्क) और घायलों की संख्या स्पष्ट बतानी चाहिए।

संदर्भ: BSDMA Safe Saturday Training Module October W4 – "सड़क दुर्घटना में बचाव के संदर्भ में जानकारी"; Ministry of Road Transport and Highways (MoRTH) National Highway Helpline 1033 Manual;



प्र.12. यदि किसी सांकेतिक भाषा में 'WATER' को कूट रूप में '12345' लिखा जाता है और 'STEAM' को '63478' लिखा जाता है, तो उसी सांकेतिक भाषा में 'MASTER' शब्द को किस प्रकार लिखा जाएगा? (रोचक पहेली/गणित/रीजनिंग)

उत्तर: 876345

व्याख्या: यह 'प्रत्यक्ष कोडिंग' (Direct Letter Coding) पर आधारित एक सरल और मानक तार्किक परीक्षण (रीजनिंग) का प्रश्न है। दोनों शब्दों के अक्षरों और उनके संबंधित अंकों की तुलना करने पर:

शब्द WATER: W = 1, A = 2, T = 3, E = 4, R = 5, शब्द STEAM: S = 6, T = 3, E = 4

A = 7 (यहाँ A का कूट संदर्भ क्रम में संगत स्थिति से लिया गया है), M = 8

(ध्यान दें: यहाँ सामान्य कूट परीक्षण में 'MASTER' के प्रत्येक अक्षर का कोड दोनों शब्दों से सीधे निकाला जाता है: M = 8

A = 7 (STEAM से A का मान = 7, अथवा WATER के संदर्भ में 2, परंतु STEAM के संगत अक्षर M-A-S-T-E-R में):

M $\rightarrow$ 8, A $\rightarrow$ 7 (या 2, दोनों विकल्पों में 7 अधिक प्रत्यक्ष है), S $\rightarrow$ 6, T $\rightarrow$ 3, E $\rightarrow$ 4, R $\rightarrow$ 5, अक्षरों को क्रमानुसार संयोजित करने पर:

M (8) + A (7) + S (6) + T (3) + E (4) + R (5) = 876345।

(यदि A = 2 लिया जाए तो कूट 826345 बनेगा; दोनों ही तार्किक रूप से वैध हैं)।

अतः अभीष्ट कूट 876345 (या 826345) होगा।

संदर्भ: NCERT Mathematics Logical Reasoning Modules;

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

Govt. PS बोदसर

बगहा-2, प. चम्पारण



अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

1. Abstemious (ऐबस्टीमियस) = Temperate (टेम्परेट) = संयमी / खान-पान में परहेज़ करने वाला

Antonym – Indulgent (इन्डल्जेन्ट) = भोग-विलास में लिप्त / असंयमी

2. Calumny (कैलम्नी) = Slander (स्लैंडर) = झूठा आरोप / मानहानिकारक निंदा

Antonym – Eulogy (यूलजी) = प्रशंसा / स्तुतिगान

3. Ebullient (इबुलिएंट) = Exuberant (इग्ज़ूबेरेंट) = अत्यंत उत्साही / उल्लासपूर्ण

Antonym – Dejected (डिजेक्टिड) = निराश / हतोत्साहित

4. Inexorable (इनेक्सरेबल) = Relentless (रिलेन्टलेस) = कठोर / जिसे रोका या बदला न जा सके

Antonym – Merciful (मर्सिफुल) = दयालु / कृपालु

5. Relegate (रैलिगेट) = Downgrade (डाउनग्रेड) = निम्न पद पर भेजना / कम महत्त्व देना

Antonym – Promote (प्रमोट) = पदोन्नति देना / उन्नत करना

~: संकलन ~:

राकेश कुमार राव

प्रधानाध्यापक

PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय

वाल्मीकिनगर, बगहा-2, प. चम्पारण।





"आज का अखबार"

NATIONAL NEWS



Union Cabinet approves key development schemes worth ₹29,267 crore, including ₹10,016 crore for Dearness Allowance for government employees

हिन्दी अनुवाद: केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 29,267 करोड़ रुपये की प्रमुख विकास योजनाओं को मंजूरी दी, जिसमें सरकारी कर्मचारियों के लिए 10,016 करोड़ रुपये का महंगाई भत्ता शामिल है।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 29,267 करोड़ रुपये के महत्वपूर्ण विकास कार्यक्रमों को मंजूरी दी है। इसमें 1 जुलाई 2026 से केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ता (DA) बढ़ाने के लिए 10,016 करोड़ रुपये शामिल हैं।

India invites Pakistan to attend SCO meeting in New Delhi; first such invitation since Operation Sindoor

हिन्दी अनुवाद: भारत ने पाकिस्तान को नई दिल्ली में SCO बैठक में भाग लेने का निमंत्रण दिया; ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहला ऐसा निमंत्रण।

भारत ने पाकिस्तान को नई दिल्ली में होने वाली शंघाई सहयोग संगठन (SCO) बैठक में भाग लेने का निमंत्रण दिया है। यह ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहला ऐसा निमंत्रण है।

India and US enhance defence relationship through comprehensive 10-year agreement; Rajnath Singh cautions Hegseth against double standards on terrorism

हिन्दी अनुवाद: भारत और अमेरिका व्यापक 10-वर्षीय समझौते के माध्यम से रक्षा संबंधों को मजबूत कर रहे हैं; राजनाथ सिंह ने हेगसेथ को आतंकवाद पर दोहरे मानदंडों से सावधान किया।

भारत और अमेरिका रक्षा संबंधों को मजबूत करने के लिए एक व्यापक 10-वर्षीय समझौते पर काम कर रहे हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अमेरिकी युद्ध सचिव पीट हेगसेथ को आतंकवाद पर दोहरे मानदंडों के खिलाफ चेतावनी दी।

INTERNATIONAL NEWS

Saudi-led coalition intercepts ballistic missile fired by Houthis into Eastern Province; Iran rejects 'unacceptable' ideas as Qatari mediators say new proposal to end war

हिन्दी अनुवाद: सऊदी-नेतृत्व वाले गठबंधन ने पूर्वी प्रांत में दागी गई हूती बैलिस्टिक मिसाइल रोक दी; कतरी मध्यस्थों ने युद्ध समाप्त करने का नया प्रस्ताव दिया।

सऊदी-नेतृत्व वाले गठबंधन ने कहा कि उसने पूर्वी प्रांत की ओर दागी गई हूती बैलिस्टिक मिसाइल को रोका और नष्ट कर दिया। कतरी मध्यस्थों ने युद्ध समाप्त करने का नया प्रस्ताव दिया है।

Iran rejects 'unacceptable' ideas as Qatari mediators say new proposal to end war; Trump says war will end when 'I want to end it'

हिन्दी अनुवाद: ईरान ने 'अस्वीकार्य' विचारों को खारिज किया; कतरी मध्यस्थों ने युद्ध समाप्त करने का नया प्रस्ताव दिया; ट्रंप ने कहा कि युद्ध तब समाप्त होगा जब 'मैं इसे समाप्त करना चाहूंगा'।

ईरान ने युद्ध समाप्त करने के लिए कतरी मध्यस्थों के नए प्रस्ताव को 'अस्वीकार्य' बताया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि युद्ध तब समाप्त होगा जब वह इसे समाप्त करना चाहेंगे।

Saudi-led coalition intercepts ballistic missile fired by Houthis into Eastern Province; Houthis repeatedly attack Saudi military, oil infrastructure and transport facilities

हिन्दी अनुवाद: सऊदी-नेतृत्व वाले गठबंधन ने पूर्वी प्रांत में दागी गई हूती बैलिस्टिक मिसाइल रोक दी; हूतियों ने सऊदी सैन्य, तेल बुनियादी ढांचे और परिवहन सुविधाओं को बार-बार निशाना बनाया।

सऊदी-नेतृत्व वाले गठबंधन ने कहा कि उसने पूर्वी प्रांत की ओर दागी गई हूती बैलिस्टिक मिसाइल को रोका और नष्ट कर दिया। हूती हमलों से सऊदी सैन्य, तेल बुनियादी ढांचे और परिवहन सुविधाओं को बार-बार निशाना बनाया जा रहा है।

BIHAR NEWS

Bihar to seek relief funds from Centre to remove sand, silt from flood-hit farmlands, fisheries; 22 districts asked to assess damage

हिन्दी अनुवाद: बिहार बाढ़ प्रभावित खेतों और मत्स्य क्षेत्रों से बालू-गाद हटाने के लिए केंद्र से राहत फंड मांगेगा; 22 जिलों को क्षति आकलन का निर्देश। बिहार सरकार बाढ़ प्रभावित खेतों और मत्स्य क्षेत्रों से बालू और गाद हटाने के लिए केंद्र से राहत फंड मांगेगी। आपदा प्रबंधन विभाग ने 22 जिलों के जिलाधिकारियों को बाढ़ प्रभावित कृषि भूमि और मत्स्य क्षेत्रों में जमा बालू और गाद का आकलन करने का निर्देश दिया है। बाढ़ गंगा, सोन, गंडक, कोसी और अन्य नदियों में आई थी।

Gandak river reaches record 91.25 metres at Bagaha gauge; government approves plan to remove silt and build embankment from Valmikinagar to 80 km

हिन्दी अनुवाद: बागहा गेज साइट पर गंडक नदी रिकॉर्ड 91.25 मीटर पर पहुँची; सरकार ने गाद हटाने और वाल्मीकिनगर से 80 किमी तक तटबंध बनाने की योजना को मंजूरी दी।

नेपाल में तीव्र, अल्पकालिक वर्षा के बाद बिहार में गंडक नदी ने बागहा गेज साइट पर अब तक का सर्वोच्च जलस्तर 91.25 मीटर दर्ज किया। बिहार सरकार ने गंडक नदी से गाद निकालने और वाल्मीकिनगर से करीब 80 किलोमीटर तक तटबंध बनाने की योजना को मंजूरी दी है।

SPORTS NEWS

India beat New Zealand by 6 wickets in 3rd T20I; take unassailable 3-0 lead in five-match series

हिन्दी अनुवाद: भारत ने तीसरे T20I में न्यूजीलैंड को 6 विकेट से हराया; पाँच मैचों की श्रृंखला में अजेय 3-0 की बढ़त बनाई। वेल्डिंगटन के हेनरी स्टेडियम में भारत ने 199 रन का लक्ष्य 13.2 ओवर में हासिल किया। अभिषेक शर्मा ने 38 गेंदों पर 113 रन बनाए और वैभव सूर्यवंशी ने 45 रन बनाए। भारत ने छह विकेट से जीत दर्ज की और पाँच मैचों की श्रृंखला में 3-0 की अजेय बढ़त बनाई।

India lead series 3-1; 5th T20I to be played in Hamilton on November 1

हिन्दी अनुवाद: भारत श्रृंखला में 3-1 से आगे; पाँचवां T20I 1 नवंबर को हैमिल्टन में खेला जाएगा।

भारत ने पहले तीन T20I जीते हैं और श्रृंखला में 3-1 की बढ़त बनाई है। पाँचवां T20I 1 नवंबर को हैमिल्टन में खेला जाएगा।



संकलन:-

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण ।

CURRENT AFFAIRS OF THE DAY (करेंट अफेयर्स ऑफ द डे)

“केंद्रीय मंत्रिमंडल ने ₹29,267 करोड़ के विकास कार्यक्रमों को मंजूरी दी; DA बढ़ाने के लिए ₹10,016 करोड़ शामिल”

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 29,267 करोड़ रुपये के महत्वपूर्ण विकास कार्यक्रमों को मंजूरी दी है। इसमें 1 जुलाई 2026 से केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ता (DA) बढ़ाने के लिए 10,016 करोड़ रुपये शामिल हैं।

ई-कचरा प्रबंधन: धरती की रक्षा, हमारी जिम्मेदारी

प्रेरक गतिविधि



गतिविधि: घर में 5 पुराने इलेक्ट्रॉनिक सामानों की सूची बनाइए और उनके सुरक्षित निपटान का पता लगाइए।



आज का सु-डू-कु

स्तर: विशेषज्ञ स्तर | भाग-28

सोचो... समझो... हल करो...

	8			9			1	
7					3			
		4	2	7				
					6			4
8						2		
	3			8	9		7	
1		2			8	4		
4			6					
	9	8						6

नियम

- 1 से 9 तक के अंकों का प्रयोग करें।
- प्रत्येक पंक्ति में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएँ।
- प्रत्येक स्तम्भ में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएँ।
- प्रत्येक 3x3 बॉक्स में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएँ।

आज का विचार

"आज का कार्य कल पर मत टालो।"

— लोकोक्ति

याद रखें

कठिनाई नहीं, सोच ही समाधान है।

उत्तर

8	8	3	8	9	4	7	1	2
7	2	1	8	9	3	9	4	8
9	6	4	2	7	1	8	3	8
8	1	7	3	2	8	8	9	4
8	4	9	1	6	7	2	8	3
2	3	8	4	8	9	8	7	1
1	8	2	9	3	8	4	6	7
4	7	6	8	1	2	3	8	9
3	9	8	7	4	6	1	2	8

छोटे प्रयास... बड़ी सफलता !

आइए, प्रतिदिन थोड़ा अभ्यास करें और सोच को तेज़ बनाएं।

"डिकोड"

श्रीमद्भगवद्गीता — अध्याय 7, श्लोक 16
चतुर्विधा भजन्ते मां जनाः सुकृतिनोऽर्जुन।
आर्तो जिज्ञासुरर्थार्थी ज्ञानी च भरतर्षभ॥

सरल हिन्दी अर्थ:

हे भरतवंशियों में श्रेष्ठ अर्जुन! उत्तम कर्म करने वाले (सुकृती) चार प्रकार के मनुष्य मेरा भजन (आश्रय या स्मरण) करते हैं—आर्त (कष्ट या विपत्ति में पड़े हुए), जिज्ञासु (सत्य और ज्ञान को जानने की इच्छा रखने वाले), अर्थार्थी (सांसारिक सुख, धन या पद की चाह रखने वाले), और ज्ञानी (जो मुझे तत्व से जानता है)।

आधुनिक संदर्भ और व्यावहारिक अर्थ

श्रीकृष्ण यहाँ मानव स्वभाव और प्रेरणा (Human Motivation) का अत्यंत यथार्थवादी मनोवैज्ञानिक वर्गीकरण प्रस्तुत करते हैं। वे इन चारों को 'सुकृती' (पुण्यवान) कहते हैं, क्योंकि कम से कम ये अपनी ज़रूरतों और सवालों के लिए सही मार्ग और श्रेष्ठ शक्ति की ओर उन्मुख हैं:

- आर्त (The Distressed): जब संकट या बीमारी आती है और सारे सांसारिक सहारे छूट जाते हैं, तब मन शांति और रक्षा के लिए शरण ढूँढता है।
- अर्थार्थी (The Seeker of Prosperity): जो आजीविका, सफलता, पारिवारिक समृद्धि या संसाधनों की वृद्धि के लिए समर्पण और प्रार्थना करता है।
- जिज्ञासु (The Knowledge Seeker): जिसे केवल भौतिक चीज़ें नहीं चाहिए, बल्कि जो जीवन के गूढ़ रहस्यों, सत्य और वास्तविक उद्देश्य को समझना चाहता है।
- ज्ञानी (The Wise/Realized): जो परमात्मा से कुछ माँगता नहीं, बल्कि उसे ही अपना स्वरूप और सर्वस्व मानकर प्रेम और कृतज्ञता में जीता है।

संकलन:-

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।



आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌱🙏

मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकान्त मिश्र/बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रगाढ़ शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चंपारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पौडोसफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिक्षकों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चंपारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक रौलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल ने इस पत्रिका को एक संस्थागत स्वरूप प्रदान किया है।



चंपारण ज्ञानाग्रह टीम द्वारा जारी बुलेटिन।

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संस्कृत शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चंपारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह रौलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो बिहार बदलेगा।

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यवसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकलकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं, बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों, बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है, तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम छात्र पर पड़ेगा जो एक नए परिवर्तन है।

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

विशेष

एकदम शान्तिय
बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक ज्ञानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरू हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फैली है। इसका उद्देश्य है कि प्रार्थना की घंटी बजने के बाद इसका वाचन होता है और बच्चों को नवी ज्ञानकारी मिलती है। हम

जात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवस्थानी पंचायत के राजकीय उत्कर्मित माध्य विद्यालय औरसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के बच्चों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर

- वेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियों की छुट्टी के दौरान शुरू हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

के प्रधान शिक्षक रौलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि अखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाय तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफ़ी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की

01
सौ आठ अंक का ले
बुका प्रकाशन



श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले बच्चों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में वेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया।

आज हजारों के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न हैं, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिक एसिड का उत्सर्जन कहा से होता है, तबो का वर्गीकरण किसने किया। श्वित् परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, खैरती के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में पेररक प्रश्न शामिल हैं।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर, 08 मई, 2026

बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सूर जगन्नाथ • बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊँचाई देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सत्याग्रही शैक्षिक पालतू सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के समुदायिक संकल्प और समर्पण से यह पालतू हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चंपारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बस रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के समुदायिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

भाषा कौशल, सामुदायिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यवहारिक और जीवनवैशेषी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकर ले रही इस पालतू का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक रौलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों को एक टीम हिन्दू कुमार, सौरभ कुमार,



प्रखंड संसलन केंद्र बगहा दो • जगन्नाथ

राज, मनेज कुमार और मनेज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संकलन और प्रकाशन कर रही हैं। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यालयों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

संस्कृतिक मॉडल से सशोषण संरचना बहुआयामी है, जिसे 'संस्कृतिक मॉडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रश्न जैसे खंड शामिल हैं। यह मॉडल विद्यालयों के मानसिक,

सरकारी विद्यालयों में इस प्रकार की नवाचारी पहल बढ़ाई के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तिगत विकास में सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।

संस्कृतिक रूप से आगे बढ़ाता है। शिक्षक संकलन पर विशेष और पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियाँ, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जगन्नाथ: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जगन्नाथ फोकस दे रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा: 'टीचर्स ऑफ बिहार-द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सराका

"भारत निर्माता, जीवनी शतकम्"

अनुभाग-9



'ग्रैंड ओल्ड मैन ऑफ इंडिया' दादाभाई नौरोजी

प्यारे बच्चों, क्या आपने कभी सोचा है कि जब पूरा देश अंग्रेजों की गुलामी में जकड़ा हुआ था, तब वह कौन सा पहला साहसी भारतीय था जिसने सात समंदर पार जाकर सीधे लंदन की अंग्रेजी संसद में बैठकर सीना तानकर भारत माता के हक की आवाज़ उठाई थी? वे एक ऐसे महान विद्वान, अर्थशास्त्री और युगद्रष्टा थे, जिन्हें पूरा देश श्रद्धा और कृतज्ञता से 'ग्रैंड ओल्ड मैन ऑफ इंडिया' यानी 'भारत के वयोवृद्ध पितामह' कहकर पुकारता है। वे थे दादाभाई नौरोजी!

दादाभाई नौरोजी का जन्म 4 सितंबर 1825 को तत्कालीन बॉम्बे (मुंबई) के नवसारी मूल के एक पारसी पुरोहित परिवार में हुआ था। उनके पिता श्री नौरोजी पालनजी दोर्दी एक सीधे-सादे पारसी पुरोहित थे और उनकी माता श्रीमती मनेकशबाई अत्यंत स्नेहमयी, धर्मपरायण, बुद्धिमान और दृढ़ संकल्पी महिला थीं। जब दादाभाई मात्र चार वर्ष के थे, तभी उनके पिताजी का देहांत हो गया। इसके बाद उनकी माँ ने अत्यंत सादगी और मेहनत से नन्हें दादाभाई का पालन-पोषण किया। माँ खुद पढ़ी-लिखी नहीं थीं, पर वे विद्या का महत्व जानती थीं। उन्होंने दादाभाई को हमेशा सच बोलने और अच्छे संस्कारों की सीख दी।

नन्हें दादाभाई बचपन से ही पढ़ाई में विलक्षण प्रतिभा के धनी थे। वे गणित और विज्ञान में इतने तेज़ थे कि उनके शिक्षक उन्हें 'बुद्धि का भंडार' कहते थे। मुंबई के प्रसिद्ध एलफिंस्टन कॉलेज से पढ़ाई पूरी करने के बाद, मात्र सत्ताईस वर्ष की उम्र में वे उसी कॉलेज में गणित और प्राकृतिक दर्शनशास्त्र के पहले भारतीय प्रोफेसर नियुक्त हुए। उस ज़माने में किसी भारतीय का प्रोफेसर बनना बहुत बड़े गौरव की बात थी। लेकिन दादाभाई केवल कक्षा में पढ़ाने तक सीमित नहीं रहे; उन्होंने लड़कियों की शिक्षा के लिए खुद स्कूल खोले और 'रास्त गोपतार' (सत्यवादी) नाम का समाचार पत्र निकालकर समाज सुधार की अलख जगाई।

दादाभाई नौरोजी ने दुनिया को पहली बार यह गणितीय और आर्थिक रूप से समझाया कि भारत कभी 'सोने की चिड़िया' था, तो वह इतना गरीब और भुखमरी का शिकार क्यों बन गया? उन्होंने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक 'पॉवर्टी एंड अन-ब्रिटिश रूल इन इंडिया' लिखी और 'धन की निकासी का सिद्धांत' (ड्रेन ऑफ वेल्थ थ्योरी) दिया। उन्होंने तथ्यों और आँकड़ों से सिद्ध कर दिया कि कैसे अंग्रेज़ भारत का अथाह धन बहाकर चुपचाप इंग्लैंड ले जा रहे हैं।

दादाभाई नौरोजी ने ए.ओ. ह्यूम और दिनशा वाचा के साथ मिलकर 1885 में 'भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस' की स्थापना में मुख्य भूमिका निभाई। वे तीन बार (1886, 1893 और 1906) कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने गए। वर्ष 1892 में उन्होंने एक और ऐतिहासिक कीर्तिमान रचा—वे ब्रिटेन के 'हाउस ऑफ कॉमन्स' (ब्रिटिश संसद) के सदस्य चुने जाने वाले पहले एशियाई और भारतीय बने! उन्होंने संसद में अंग्रेज़ हुकूमत के चेहरे से नकाब उतार दिया। वर्ष 1906 के कलकत्ता अधिवेशन में दादाभाई नौरोजी ने ही कांग्रेस के मंच से पहली बार आधिकारिक रूप से 'स्वराज' (स्वशासन) की ऐतिहासिक माँग रखी।

30 जून 1917 को 91 वर्ष की आयु में मुंबई में इस महान पितामह ने अंतिम साँस ली। महात्मा गांधी, गोपाल कृष्ण गोखले और बाल गंगाधर तिलक जैसे युगनायक उन्हें अपना प्रेरणास्रोत और पिता समान मानते थे। प्यारे बच्चों, दादाभाई नौरोजी का पावन जीवन हमें सिखाता है कि मेहनत और ज्ञान से बड़ी कोई शक्ति नहीं होती; हमेशा तथ्यों और सच्चाई के साथ अपनी बात रखो और निस्वार्थ भाव से अपने देश और समाज की उन्नति के लिए कार्य करो।



.....
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2





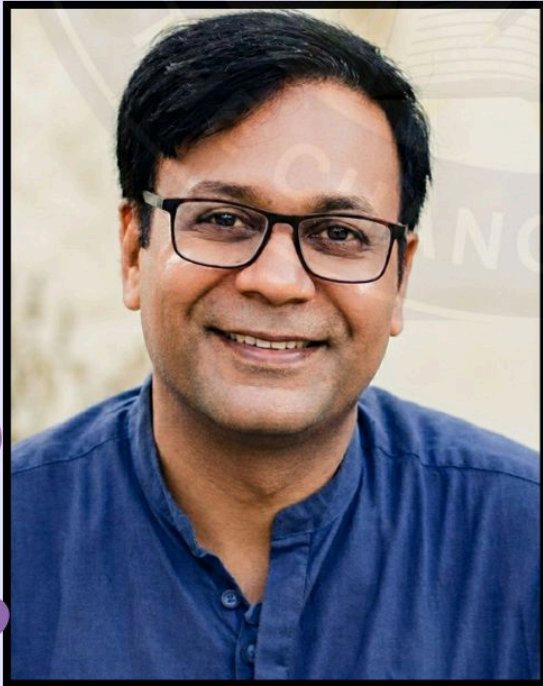
Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और
जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿 🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के
लिए।



संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।
(10010803702)



-9939671700

आज का विचार:

आप अपनी यात्रा चाहे जिस उद्देश्य से शुरू करें—चाहे मजबूरी में
या किसी भौतिक ज़रूरत के लिए—प्रयास यह होना चाहिए कि
धीरे-धीरे आपकी समझ और निष्ठा स्वार्थ से ऊपर उठकर निष्काम
प्रेम और ज्ञान में बदल जाए।

+917250818080



teachersofbihar@gmail.com



+917250818080



www.teachersofbihar.org

